

तलाक के बाद फिर साथ दिखे ईशा और भरत तख्तानी

अभिनेत्री ईशा देओल फिर से अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर सोशल मीडिया पर छाई हुई हैं. हाल ही में ईशा देओल को खास दोस्तों के साथ लंच आउटिंग पर देखा गया.

बॉलीवुड के एवरग्रीन कपल धर्मेद और हेमा मालिनी की बेटी अभिनेत्री ईशा देओल फिर से अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर सोशल मीडिया पर छाई हुई हैं. हाल ही में ईशा देओल को अपने खास दोस्तों के साथ लंच आउटिंग पर देखा गया.

इस दौरान ईशा के साथ उनके एक्स हसबैंड भरत तख्तानी भी उनके साथ दिखाई दिए, जिसकी फोटो सोशल

मीडिया पर जमकर वायरल हो रही है. बता दें कि ईशा देओल और उनके पति भरत तख्तानी शादी के 11 साल बाद आपसी सहमति से 6 फरवरी 2024 को अलग हो गए थे.

टीवी एक्ट्रेस स्मृति खन्ना ने अपने इंस्टाग्राम पर लंच आउटिंग की स्टोरी शेयर की. जहां स्मृति और उनके दोस्त अपने पति के साथ लंच का लुफ्त उठाते दिखाई दिए, फोटो को शेयर करते हुए स्मृति ने लिखा कि 'मस्ती भरी दोपहर और सानदार गाँसिप...धन्यवाद ईशा'. हालाँकि इस लंच के दौरान इनके साथ राकुल प्रीत सिंह, जायद खान और मल्लू खान नहीं नजर आए.

दिव्यांका त्रिपाठी के घर गुंजी किलकारी

टेलीविजन इंडस्ट्री से एक बड़ी और दिल को छू लेने वाली खबर सामने आई है. मशहूर टीवी एक्ट्रेस दिव्यांका त्रिपाठी और उनके पति विवेक दहिया के घर खुशियों की डबल एंटी हुई है. शादी के लगभग 10 साल बाद यह कपल माता-पिता बन गया है और उन्होंने जुड़वा बेटों का स्वागत किया है. सोशल मीडिया पर इस खबर के आते ही फैंस और टीवी इंडस्ट्री में खुशी की लहर दौड़ गई है.

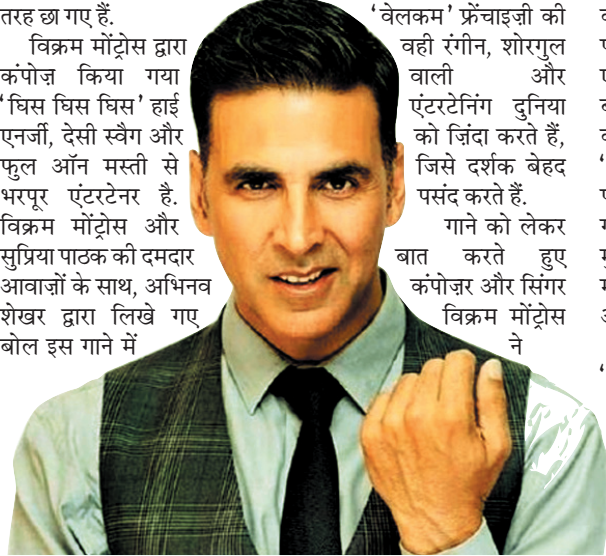
दिव्यांका और विवेक ने यह खुशखबरी अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक खास पोस्ट के जरिए शेयर की. पोस्ट में दो छोटे बच्चों की तस्वीर दिखाई गई है, जो हल्के नीले रंग के कपड़ों में हैं. हालाँकि बच्चों का चेहरा फिलहाल सामने नहीं लाया गया है. इस पोस्ट के साथ कपल ने लिखा कि उन्होंने खुशियां मांगी थीं और भगवान ने उन्हें दोगुनी खुशी दे दी है. पोस्ट में लिखा गया संदेश बेहद सरल लेकिन दिल को छू लेने वाला था. कपल ने बताया कि उन्होंने

दिग्विजय पर हाथ उठाएगा गौतम शो में होगी एक नए किरदार की एंट्री

टीवी सीरियल अनुपमा के अपकमिंग एपिसोड में आप देखेंगे कि वसुंधरा कोठारी और गौतम गोवा घटियापन की हद पर कर देंगे. अनुपमा और दिग्विजय को परेशान करने के लिए वसुंधरा इस हद तक गिर जाएगी, कि वो गोवा जाकर दिग्विजय के बेटे रणविजय से हाथ मिला लेगी. शो में जल्द ही रणविजय के किरदार में एक नए एक्टर की एंट्री होने वाली है. वजह यह, कि बीते कुछ वक़्त में मेकर्स ने रणविजय के नाम पर चर्चा काफी बढ़ाई है. अब जब वसुंधरा और गौतम गोवा जाकर उससे मिलकर भी आए हैं, तो उससे जुड़े ट्रिक्ट जल्द ही बढ़ाए जाएंगे. सीरियल के नए प्रोमो वीडियो में दिखाया गया है कि वसुंधरा कोठारी एक बार फिर अपनी बहू ख्याति को बेइज्जत करती नजर आएंगी. दरअसल वसुंधरा कोठारी अपने दामाद गौतम के साथ गोवा जाकर आई होगी यह बात ख्याति को पता चल जाएगी. वह जब वसुंधरा से इस बारे में सवाल करेगी तो मोटी बा बहुत बदतमीजी भरे लहजे में उसे जवाब देगी, 'हम लोग गोवा कब गए, क्यों गए, ये हम तुम्हें बताानी नहीं समझते ख्याति.' वसुंधरा अपनी बहू को बुरा भला कह ही रही होगी, कि दरवाजे की तरफ से एक बुलंद आवाज सुनाई पड़ेगी- तो मुझे बता दीजिए. यह आवाज और किसी की नहीं, बल्कि दिग्विजय सूद की होगी.

'वेलकम टू द जंगल' का गाना 'घिस घिस घिस' रिलीज

फिल्म 'वेलकम टू द जंगल' का नया गाना 'घिस घिस घिस' रिलीज हो गया है. यह गाना बॉलीवुड और भोजपुरी तड़के का ऐसा धमाकेदार संगम है, जो प्लेलिस्ट, शार्दियों और सोशल मीडिया रील्स पर छाने के लिए पूरी तरह तैयार है.इस गाने की सबसे खास बात है अक्षय कुमार और भोजपुरी सुपरस्टार अक्षरा सिंह की दमदार जोड़ी, जिनकी केमिस्ट्री और स्क्रीन प्रेजेंस इस गाने में अलग ही आग लगा देती है. अक्षय कुमार इस गाने में बिल्कुल अलग अंदाज़ में नजर आ रहे हैं. अपने कुल डांस मूव्स के लिए पहचाने जाने वाले अक्षय इस बार देसी और रस्टिक अवतार में पूरी



फिल्म निर्माता इम्तियाज अली ने फिल्म 'कॉकटेल' की कास्टिंग के दौरान दीपिका पादुकोण की इमेज को लेकर की गई अपनी एक टिप्पणी पर सार्वजनिक रूप से स्पष्टीकरण दिया है. इस बयान के बाद सोशल मीडिया पर हो रही आलोचनाओं के बीच

निर्देशक इम्तियाज अली ने सोशल मीडिया पर मांगी माफी

इम्तियाज ने कहा कि उनकी बातें महज हंसी-मजाक का हिस्सा थीं और उनका मकसद किसी को ठेस पहुँचाना नहीं था. उन्होंने स्पष्ट किया कि वे दीपिका का बेहद सम्मान करते हैं.

इम्तियाज अली ने इंस्टाग्राम पर एक नोट साझा करते हुए कहा कि उन्हें किसी ने बताया था कि

सफाई दे रहा हूँ.' निर्देशक ने दीपिका के प्रति अपना गहरा लगाव और सराहना व्यक्त की है. विवाद उस समय शुरू हुआ जब इम्तियाज ने बताया था कि उन्होंने दीपिका को पहले मीरा के किरदार के लिए ऑडिशन देने को कहा था, जो बाद में डायना पेंटी ने निभाया. बाद में, दीपिका



फिल्म 'गांधी बाजार संडे मार्केट' की शूटिंग हुई शुरु

अभिनेता बाबिल खान ने अपनी पहली मलयालम फिल्म गांधी बाज़ार संडे मार्केट की शूटिंग शुरू कर दी है. इस फिल्म का निर्देशन मशहूर फिल्ममेकर बाबू जनार्दनन कर रहे हैं और यह फिल्म बाबिल के करियर में एक खास पड़ाव मानी जा रही है.फिल्म में अपर्णा बालमुरली, दीपक पर्लेबोल, निखिल नायर, जॉनी एंटनी, जगदीश, सुधीर करमाना, अथ्मिया राजन और जयशंकर समेत कई शानदार कलाकार नज़र आएंगे.

बाबिल खान ने कहा, 'मलयालम सिनेमा हमेशा मेरे दिल के बहुत करीब रहा है क्योंकि वहां कहानियाँ करियर के नया अध्याय नहीं हैं, बल्कि एक ऐसा सफर है जिससे शुरू गहराई के साथ दिखाई जाती हैं. एक अभिनेता के तौर पर मैं हमेशा मानता हूँ कि असली विकास तब होता है जब आप खुद को किसी नई दुनिया, नए लोगों और नई भावनाओं के हवाले कर देते हैं. सिलिगुड़ी में गांधी

बाज़ार संडे मार्केट की शूटिंग शुरू करना मेरे लिए बेहद रोमांचक, भावुक और रचनात्मक रूप से संतोष देने वाला अनुभव है.'

बाबिल खान ने कहा, 'बाबू सर के साथ काम करना और इतने शानदार कलाकारों के साथ स्क्रीन साझा करना मेरे लिए बहुत खास अनुभव होने वाला है. मैं हमेशा ऐसी कहानियों का हिस्सा बनना चाहता था जो लोगों पर गहरा असर छोड़ें और मुझे सिर्फ एक अभिनेता ही नहीं बल्कि एक ईंसान के तौर पर भी बेहतर बनने की चुनौती दें. यह फिल्म मुझे वही मौका दे रही है. मलयालम सिनेमा में कदम रखना मेरे लिए बहुत करीब रहा है क्योंकि वहां कहानियाँ करियर के नया अध्याय नहीं हैं, बल्कि एक ऐसा सफर है जिससे शुरू गहराई के साथ दिखाई जाती हैं. एक अभिनेता के तौर पर मैं हमेशा मानता हूँ कि असली विकास तब होता है जब आप खुद को किसी नई दुनिया, नए लोगों और नई भावनाओं के हवाले कर देते हैं. सिलिगुड़ी में गांधी



कृषि जगत

वन तुलसी सेहत के लिए प्राकृतिक वरदान

आयुर्वेद में तुलसी को बेहद पवित्र और औषधीय पौधा माना जाता है. लेकिन वन तुलसी की बात करें तो इसके फायदे और भी ज्यादा बताए जाते हैं. बदलते मौसम, बढ़ते प्रदूषण और खराब लाइफस्टाइल के बीच लोग अब प्राकृतिक और आयुर्वेदिक उपायों की तरफ तेजी से लौट रहे हैं. ऐसे में वन तुलसी सेहत के लिए किसी वरदान से कम नहीं मानी जाती.

इसकी पत्तियों में मौजूद औषधीय गुण शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने में मदद करते हैं और कई सामान्य बीमारियों से बचाव कर देते हैं. वन तुलसी का नियमित सेवन

सर्दी-जुकाम, खांसी, गले की खराश और वायरल संक्रमण जैसी समस्याओं में राहत देता है. यही वजह है कि अब लोग घरों में इसे उगाने लगे हैं. खास बात यह है कि वन तुलसी को उगाना बेहद आसान है और इसकी देखभाल में ज्यादा मेहनत भी नहीं लगती. कम जगह और सीमित संसाधनों में भी यह पौधा आसानी से तैयार हो जाता है. वन तुलसी को औषधीय गुणों का खजाना माना जाता है. आयुर्वेद विशेषज्ञों के अनुसार इसमें एंटीबैक्टीरियल, एंटीवायरल और एंटीऑक्सीडेंट गुण पाए जाते हैं, जो शरीर को कई संक्रमणों से बचाने में मदद करते हैं.



अरहर की खेती में अपनाएं नई तकनीक

मिट्टी, बीज और सिंचाई का सही प्रबंधन है जरूरी



देश में वालों की बढ़ती मांग के बीच अरहर की खेती किसानों के लिए फायदे का सौदा बनती जा रही है. खासकर खरीफ सीजन में इसकी खेती से अच्छी पैदावार और बेहतर मुनाफा मिलने की उम्मीद रहती है. यही वजह है कि अब बड़ी संख्या में किसान पारंपरिक फसलों के साथ अरहर की खेती की तरफ भी तेजी से रुख कर रहे हैं. कृषि विशेषज्ञों का मानना है कि अगर सही समय पर बुवाई और वैज्ञानिक तरीके अपनाए जाएं, तो किसान कम लागत में बेहतर उत्पादन हासिल कर सकते हैं.

अरहर की दाल भारतीय रसोई का अहम हिस्सा मानी जाती है और बाजार में इसकी मांग पूरे साल बनी रहती है. ऐसे में किसानों के लिए यह नकदी फसल के रूप में भी उभर रही है.

विशेषज्ञों के अनुसार, अरहर की खेती कम पानी वाले इलाकों में भी आसानी से की जा सकती है. इसके अलावा यह मिट्टी की उर्वरता बनाए रखने में भी मदद करती है, जिससे अगली फसल को फायदा मिलता है. अरहर की

और बाजार में इसकी मांग पूरे साल बनी रहती है. ऐसे में किसानों के लिए यह नकदी फसल के रूप में भी उभर रही है.

विशेषज्ञों के अनुसार, अरहर की खेती कम पानी वाले इलाकों में भी आसानी से की जा सकती है. इसके अलावा यह मिट्टी की उर्वरता बनाए रखने में भी मदद करती है, जिससे अगली फसल को फायदा मिलता है. अरहर की

खेती के लिए अच्छी जल निकासी वाली दोमट मिट्टी सबसे उपयुक्त मानी जाती है. खेत तैयार करते समय मिट्टी को भुरभुरी बनाया जरूरी होता है, ताकि पौधों की जड़ें अच्छी तरह विकसित हो सकें. बुवाई से पहले खेत में गोबर की सड़ी खाद डालने से उत्पादन बेहतर होता है.

किसानों को उन्नत और रोग प्रतिरोधक बीजों का चयन करने

अरहर की फसल में ज्यादा सिंचाई की जरूरत नहीं होती, लेकिन शुरुआती दिनों में नमी बनाए रखना जरूरी होता है. बारिश कम होने की स्थिति में हल्की सिंचाई फसल के विकास में मदद करती है. साथ ही खेत में खरपतवार नियंत्रण पर भी ध्यान देना जरूरी है, क्योंकि इससे पौधों की ग्रोथ प्रभावित हो सकती है. समय-समय पर फसल की निगरानी करते रहना चाहिए, ताकि कीट और रोगों से बचाव किया जा सके.

की सलाह दी जाती है. खरीफ सीजन में जून से जुलाई के बीच अरहर की बुवाई सबसे उपयुक्त मानी जाती है. बीजों की बुवाई कतारों में करनी चाहिए, ताकि पौधों को पर्याप्त जगह मिल सके.



तेज गर्मी में बकरियों का रखें खास ध्यान

गर्मियों का मौसम ईंसानों के साथ-साथ पशुओं के लिए भी बड़ी चुनौती लेकर आता है. तेज धूप, गर्म हवाएं और लगातार बढ़ता तापमान बकरियों की सेहत पर गंभीर असर डालता है. खासकर बकरी पालन करने वाले किसानों के लिए यह समय बेहद सावधानी बरतने वाला होता है, क्योंकि बकरियां गर्मी को ज्यादा देर तक सहन नहीं कर पातीं और जल्दी ही हीट स्ट्रोक का शिकार हो जाती हैं.

कई बार थोड़ी सी लापरवाही उनकी जान पर भारी पड़ सकती है. गर्मियों में बकरियों के शरीर का तापमान तेजी से बढ़ने लगता है. यदि समय रहते उन्हें राहत नहीं मिलती, तो वे सुस्त पड़ जाती हैं, खाना-पीना छोड़ देती हैं और

सांस लेने में तकलीफ होने लगती है. गंभीर स्थिति में उनकी मौत तक हो सकती है. ऐसे में पशुपालकों को गर्मी के मौसम में विशेष सतर्कता बरतने की सलाह दी जाती है. बकरियों को हमेशा ठंडी और हवादार जगह पर रखना चाहिए. दिन के समय उन्हें सीधे धूप में चराने के बजाय सुबह और शाम के समय बाहर निकालना ज्यादा सुरक्षित माना जाता है.

दोपहर की तेज धूप में बाहर रहने से हीट स्ट्रोक का खतरा कई गुना बढ़ जाता है. इसके अलावा पशु शेड में पर्याप्त छांव और हवा की व्यवस्था होना बेहद जरूरी है. गर्मी के मौसम में साफ और ठंडा पानी बकरियों के लिए सबसे जरूरी चीज माना जाता है.

गर्मियों में थोड़ी सी सावधानी और सही देखभाल से बकरियों को गंभीर बीमारियों और हीट स्ट्रोक से बचाया जा सकता है. सही समय पर पानी, छांव और सतुलित आहार देने से पशु स्वस्थ रहते हैं और पशुपालकों को आर्थिक नुकसान से भी राहत मिलती है.

गर्मियों के मौसम में किचन से निकलने वाला जैविक कचरा सिर्फ बेकार चीज नहीं, बल्कि आपके गार्डन और पौधों के लिए किसी वरदान से कम नहीं है. अक्सर लोग सब्जियों के छिलके, फलों के बचे हिस्से, चायपत्ती और अन्य ऑर्गेनिक वेस्ट को कुड़े में फेंक देते हैं, जबकि यही किचन वेस्ट मिट्टी की उर्वरता बढ़ाने का सबसे आसान और प्राकृतिक तरीका बन सकता है.

बढ़ती गर्मी में पौधों को ज्यादा पोषण और नमी की जरूरत होती है, ऐसे में घर पर बनी ऑर्गेनिक खाद मिट्टी को मजबूत बनाती है और पौधों की ग्रोथ को तेजी देती है. किचन वेस्ट से बनी खाद मिट्टी में जरूरी सूक्ष्म पोषक तत्व जोड़ती हैं, जिससे पौधे ज्यादा हरे-भरे और स्वस्थ दिखते हैं.

गर्मी में किचन वेस्ट करेगा कमाल सज्जियों के छिलकों से मिट्टी को मिलेगे पोषक तत्व

इतना ही नहीं, यह तरीका पर्यावरण संरक्षण में भी मददगार साबित हो रहा है, क्योंकि इससे घर का गोला कचरा कम होता है और केमिकल फर्टिलाइजर पर निर्भरता भी



घटती है. कम खर्च और आसान प्रक्रिया के कारण अब शहरों में लोग तेजी से इस तकनीक को अपना रहे हैं.

गर्मियों में मिट्टी जल्दी सूख जाती है, जिससे पौधों की जड़ों को पर्याप्त पोषण नहीं मिल पाता. ऐसे में किचन वेस्ट से तैयार ऑर्गेनिक खाद मिट्टी की नमी बनाए रखने में मदद करती है. सज्जियों और

आज के समय में जब लोग टेरेस गार्डनिंग और होम गार्डनिंग की तरफ तेजी से आकर्षित हो रहे हैं, तब किचन वेस्ट का सही इस्तेमाल पर्यावरण और स्वास्थ्य दोनों के लिए फायदेमंद साबित हो सकता है. छोटे-छोटे प्रयास न सिर्फ घर की हरियाली बढ़ा सकते हैं, बल्कि स्वस्थ और टिकाऊ जीवनशैली की दिशा में भी बड़ा कदम बन सकते हैं.

फलों के छिलकों में मौजूद प्राकृतिक मिनरल्स मिट्टी को अंदर से मजबूत बनाते हैं. खास बात यह है कि इस खाद को तैयार करने के लिए किसी महंगे उपकरण की जरूरत नहीं होती. घर के किसी कोने में एक छोटा डब्बा या बाल्टी रखकर आसानी से कंपोस्ट तैयार की जा सकती है.